केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - २

रविवार, १६ जुलाई, २०१७ **समय : दोपहर २.०० से ५.००** **कुल गुण : १००**

स्वामिनारायण BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (९)	
	३ (८)	
	४ (६)	
	५ (५)	
	६ (६)	
	७ (८)	
	विभाग-१, कुल गुण (५१)	

☞ **अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है** ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर.....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	८ (९)	
	९ (९)	
	१० (८)	
	११ (५)	
	१२ (४)	
	१३ (८)	
	१४ (६)	
	विभाग-२, कुल गुण (४९)	

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં ☐

શબ્દોમાં .....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं ।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है । उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी । **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी ।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी । पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी । **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें । **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें । पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी ।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नप्रत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है । **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें ।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है । अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है । **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं ।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है ।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे ।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा ।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा । **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे ।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा ।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं ।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन !!! परिणाम नहीं मिलेगा !!!**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ९		नाम

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवीण

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''तुम्हारे गुरुजी को पहले कभी ऐसा हुआ था?''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''सूर्यवंशी तो नहीं हुए?''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''यह देह भगवान के लिए कुर्बान करके अनंत जन्मों को दुःख से बचा लूँ।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं <u>तीन</u> के बारे में कारण लिखिए। (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ९)

१. ऐसे संत स्वयं हरि है।
२. मगनभाई को जो कोई एकबार भी देख लेता वो प्रभावित हुए बिना नहीं रहता।
३. भारत की भूमि 'पूण्यभूमि' कहलाती है।
४. कन्नौज के दो मुमुक्षुओं ने द्वारिका न जाने का निर्णय किया।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - २ गुण - ९		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ३ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ८)

१. गृहस्थाश्रमी के विशेष धर्म **अथवा** २. संप्रदाय के शास्त्र : निष्कुलानंद काव्य

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

३. राजाभाई **अथवा** ४. जेठा मेर

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र – ३ गुण – ८		नाम	प्र – ४ गुण – ६		नाम

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

गुण : ४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ६)

१. गढ़डा में मूलजी और कृष्णजी ने क्या निर्णय किया? गुण : १

....

....

२. कौन स्वतंत्र है, और कौन आधीन है? गुण : १

....

....

३. प्रत्यक्ष स्वरूप के ध्यान करनेवालों को किस में अंतर प्रतीति नहीं होता है? गुण : १

....

....

४. स्वामिनारायण के संतों की क्या शोभा बन चुकी थी? गुण : १

....

....

५. फगुआ की माँग कौन से गाँव में कौन से उत्सव पर की गई थी? गुण : १

....

....

६. देवलोक से पृथ्वी पर आकर किस चक्कर में फँसना पडता है? गुण : १

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ५ गुण - ५		नाम	प्र - ६ गुण - ६		नाम

प्र. ५ 'राजा को पानी नहीं पीलाया...'-**'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए । (कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ६ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । (कुल गुण : ६)

विषय : सुरा खाचर

१. सुरा खाचर लोया गाँव के थे। **२.** चोरों ने सुरा खाचर के गहने चुरा लिए। **३.** अब संकल्प करो कि उसमें से पूरा भाग भगवान स्वामिनारायण की सेवा में समर्पित करेंगे। **४.** श्रीजीमहाराज दो मास तक लोया रहे। **५.** हमारे जति आए है। **६.** जेतपुर गाँव के ठाकुर साहब ने सुरा खाचर को अपने घर आने का निमंत्रण दिया। **७.** मेरी बेटी अचानक बीमार हो गई हैं और दवाई लेने आई हूँ। **८.** प्रभु, आप तो गरीब निवाज है। **९.** हरिभक्तों ६० मन बैंगन ने १२ मन घी लेकर आए। **१०.** हरिभक्तों ५० मन बैंगन ने १२ मन घी लेकर आए। **११.** चोरों ने गाँव के बाहर ही पिटारे को छोड़कर भाग निकले। **१२.** महाराज, अक्षरवाडी में बैंगन की फसल बहुत अच्छी उतरी है।

(१) केवल सही क्रमांक | | | | | | | गुण : ३ |

(२) यथार्थ घटनाक्रम | | | | | | | गुण : ३ |

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे। (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ८		नाम

प्र. ७ निम्नलिखित जनमंगलस्तोत्रम् / कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए। (कुल गुण : ८)

१. जनमंगलस्तोत्रम् : ॐ श्री तैर्थिकार्चिताय नमः .....

.....

.....

..... ॐ श्री सिद्धेश्वराय नमः। गुण : २

२. वहाला तारे जमणे .....

.....

.....

..... प्रवीण छे रे लोल। गुण : २

३. गालिदानं .....

.....

.....

..... च तैः॥ गुण : २

४. मायामयाकृति ..... शरणं प्रपद्ये॥ - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद लिखिए।

.....

.....

..... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - २ : गुणातीतानंद स्वामी

प्र. ८ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''उन संतों को गाँव के बाहर निकाल दो।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''अतः तुम जो भी शुभ संकल्प करेंगे, उन्हें हम पूर्ण करेंगे।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ८ गुण - ९		नाम

३. ''हरिभक्त भी बिना उत्पादन कुछ दान नहीं कर पाएँगे।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... | गुण : ३ |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.९ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं <u>तीन</u> के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्ति में) (कुल गुण : ९)

१. वरताल में गुणातीतानंद स्वामी ने बातें करना जारी रखा।
२. श्रीजीमहाराज ने संतों को पुनः मिट्टी के टुकड़े दिलवाये।
३. स्वामी जुनागढ़ जाने के लिए तैयार हुए।
४. श्रीजीमहाराज ने स्वामी को तेज मीर्चीवाली उड़द की दाल और मीर्ची की चटनी भोजन में दी।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

....

....

....

.... गुण : ३

(   ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ३

(   ) ....

....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ९ गुण - ९		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ८)

१. नागर भाविक का परिवर्तन

२. हम रहें या हम जैसे महापुरुष को निरंतर रखें?

३. मूलजी और ठाकुरजी की एकात्मता

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. महाराज के पाँव निकाल ने की बात सुनकर मूलजी ब्रह्मचारी ने क्या कहा? गुण : १

....

....

२. ब्रह्मानंद स्वामी जूनागढ़ पहुँचे तब स्वामी कहाँ चल दिए? गुण : १

....

....

३. दर्शन के लिए बैठे हुए संतों को क्या प्राप्त करने का संकल्प हुआ? गुण : १

....

....

४. स्वामी की किस बात पर हंसराजभाई का मन नहीं माना? गुण : १

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ११ गुण - ५		नाम

५. खंभात के नगर जन स्वामी के दर्शन करते क्या कहने लगे? | गुण : १ | |

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१२ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग को संक्षिप्त में बयानकर भावार्थ लिखिए ।
(बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ४)

१. सेवावृत्ति : स्पष्ट वक्ता कृपानंद स्वामी

२. वृत्ति का निरोध : योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः

(   ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ४		नाम	प्र - १३ गुण - ८		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

भावार्थ : .....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. वेदांतियों का पराजय। गुण : २

(१) ☐ शुकजी में ब्रह्म की व्यापक शक्ति थी।

(२) ☐ आपने न तो ब्रह्मभाव को प्राप्त किया।

(३) ☐ आप ऐसा पक्षपात करे वह कैसे चलेगा।

(४) ☐ संकल्प रहित महाराज की मूर्ति के दर्शन।

२. गुणातीतानंद स्वामी सुरत से महाराज के लिए कौन-कौन सी चीज़ें लेकर निकले? गुण : २

(१) ☐ सतीगीता (२) ☐ धारीनी मटकी

(३) ☐ आचार की तीन बरनी (४) ☐ सोनेरी शणगार

३. गुणातीत बातें गुण : २

(१) ☐ ठाकुरजी को गाय का ही दूध भाता है।

(२) ☐ आज्ञा-उपासना की दृढ़ता रखने में कभी भी कसूर मत रहने दें।

(३) ☐ यह तो जोगी का ही काम है।

(४) ☐ आज्ञा-उपासना बराबर न समझ सकेंगे तो महाराज की इज्जत धूलमें मिल सकती है।

४. धर्मस्वरूपानंद ब्रह्मचारी गुण : २

(१) ☐ मुझे रसास्वाद परेशान नहीं करता। (२) ☐ ठाकोरजी की सेवा में रहें।

(३) ☐ सूक्ष्म शरीर के भाव आज भी मिटे नहीं। (४) ☐ दूसरे दोष परेशान करते हैं।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १४ गुण - ६		नाम

प्र.१४ निम्नलिखित वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । (कुल गुण : ६)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. **गृहत्याग और दीक्षा :** संवत् १८८६ के महा महीने में श्रीजीमहाराज ने अपने अति प्रिय परमहंस अनादि अक्षरब्रह्म खुशाल भक्त को धूमधाम से पार्षदी दीक्षा देने के लिए मेहलाव गाँव में महायाग का प्रारंभ किया।

उ. .....

.....

..... गुण : १

२. **श्रेष्ठवक्ता :** एकबार महाराज गोंडल गाँव में ब्रह्मचारी को भोजन करवा रहे थे। तब वासुदेवानंद ब्रह्मचारी और मूलजी ब्रह्मचारी इन दोनों के बीच स्वामी भी भोजन करने बैठे थे।

उ. .....

.....

..... गुण : १

३. **स्वामी उपशम स्थिति में :** एक दिन मंदिर में समूहपूजा हो रही थी। स्वामी भी मंदिर में बैठे थे। अचानक ही स्वामी को स्वप्न स्थिति लग गई। वे न तो किसीके साथ चलते, न किसीकी ओर मुस्कुराते।

उ. .....

.....

..... गुण : १

४. **खारे जीव को मीठा किया :** राजकोट के पास मोरबी शहर है। इस शहर में वालोरो वरु नामक एक खूँखार आदमी रहता था। शराब पीता, मांसाहार करना और चोरी करना उसका नित्यक्रम बन गया था।

उ. .....

.....

..... गुण : १

५. **सेवा करे वही महंत :** तब कुछ कट्टरवादी शीखों ने सोचा कि इस संप्रदाय के मुखिये को कारावास में डाले, ताकि पारसी लोग उनका स्मरण करना बंध कर दे।

उ. .....

.....

..... गुण : १

६. **संतों को शिक्षावचन :** स्वामी सदैव पूजा करने के पश्चात् प्रत्येक पार्षदों के आवास पर सबको प्रणाम करने जाते थे। फिर दर्शन करते। दर्शन के बाद सबको सेवा सौंपते। अन्यथा जीव का स्वभाव ऐसा है कि दर्शन में सेवा के विचार करते रहें।

उ. .....

.....

..... गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**